श्री आदिनाथदादानो जय जयकार हो

नमो नम: श्री गुरु नेमिसूरये

: एक कदम जिन शासन की और : प्रेरणा: जिन शासन शणगार परम पूज्य आचार्य श्री विजयचंद्रोदयसूरीश्वरजी महाराज साहेब के शिष्य सरस्वती साधक परम पूज्य आचार्य श्री कुलचंद्रसूरीश्वरजी महाराज साहेब **निबन्ध स्पर्धा - २**	केवल कार्यालय उपयोग के लिए

यह फॉर्म हर निबंध पर संलग्न होना चाहिए।

विषय क्रम:	लिखित भाषा: गुजराती / हिंदी / अंग्रेजी	दिनांक:

नाम:		आयु पुरुष / महिला
पता: कक्ष / मंज़िल:		
भवन का नाम:		
सड़क का नाम:		
सीमा चिन्ह:		
उपनगर:		पूर्व / पश्चिम
शहर:		
पोस्ट कोड:	राज्य:	देश:
व्हाट्सएप नं.:	/	
मोबाइल नं.:	/	
लैंडलाइन नं.:	/	
ईमेल:		
आप इस प्रतियोगिता के बारे में कैसे जानते हैं		
पढ़ाई:		
व्यवसाय:		
नजदीकी दहेरासर / संघ:		
पाठशाला जहाँ आप पढ़ रहे हैं:		
धार्मिक पढ़ाई:		
अपने बारे में / रुचियाँ (५ लाइनें):		

निबंध के अलावा, आपश्री का अमूल्य भाव-संवेदन (रीव्य्) लिखे एवं जैन शासन के बारेमें आप क्या क्या कर सकते हैं क्या आप लिखोगे?

इस फॉर्म की फोटोकॉपी का उपयोग कर सकते है ।